अनशन के झटके से हटाया अतिक्रमण

मीडिया ने दखल लेते ही पहुंचे अधिकारी समझाने के प्रयास रहे असफल

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चांदूर बाजार, 17 सितंबर- तहसील के ग्राम सोनोरी के वार्ड नंबर 1 में रास्ते पर किये अतिक्रमण को हटाने की मांग विलास चर्जन ने करने पर ग्रापं ने ध्यान नहीं दिया. इसलिए उन्होंने ग्रापं की नीति के खिलाफ 11 सितंबर से 45 फिट गहरे सूखे कुएं में खाट डालकर अनशन शुरू किया. मीडिया ने इसकी दखल लेते ही अनशन के दूसरे ही दिन अनेक अधिकारी मौके पर पहुंचे. कुएं में उतरकर विलास चर्जन को समझाने का काफी प्रयास किया गया. लेकिन अतिक्रमण हटाने के बाद ही अनशन खत्म करूंगा, इस बात पर वह अड़े रहे.

बारिश में भी उनका अनशन जारी रहा. आखिर शनिवार को सड़क पर किया गया अतिक्रमण हटाने के बाद विलास चर्जन को कुएं से बाहर निकाला गया. उन्होंने अपनी वृध्द मां के हाथों नींबू पानी पीकर अनशन खत्म किया.

कई बार अतिक्रमण हटाने की मांग करने पर भी तथा दो बार अनशन करने पर भी प्रशासन

अतिक्रमण हटाने को तैयार नहीं था. आखिर कुएं में आंदोलन तथा दखल न लेने पर वहीं पर आत्मदहन का इशारा सुनकर प्रशासन घबरा गया. राजस्व विभाग, पुलिस, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत के अधिकारियों ने बैठक लेकर 16 सितंबर को अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया. ग्रापं की बैठक में प्रस्ताव पारित करने के बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई. इस अवसर पर नायब तहसीलदार राजेश चौधरी, बीडीओ मोहन श्रृंगारे, ब्राम्हणवाड़ा थड़ी के थानेदार उल्हास राठोड़, ग्रापं सचिव दिनेश चोरपगार, प्रवीण वानखडे, सुधीर गणोरकर, सुचिता गणोरकर, शिल्पा बानाईत, अनिता कास्देकर, ज्योति तायडे आदि उपस्थित थे.

उपसरपंच ने अपना कर्तव्य नेकी से निभाया. लेकिन शुरू से लेकर आखिर तक सरपंच गायब रहे. इस अतिक्रमण को सरपंच का ही समर्थन रहने का आरोप अनशनकर्ता विलास चर्जन ने लगाया.

किसान व व्यापारियों के समन्वय से संतरे को उचित दाम

नरेश ठाकरे का कथन, नीलामी केंद्र का उद्घाटन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
वरुड़, 17 सितंबर- कृषि उपजमंडी व फ्रूट एक्स कंपनी मिलकर किसान व व्यापारियों के बीच समन्वय स्थापित कर किसानों के संतरों को उचित दाम दिलाएं व किसानों का विकास करें, ऐसा प्रतिपादन पूर्व विधायक नरेशचंद्र ठाकरे ने किया. वह स्थानीय कृषि उपज मंडी में फ्रूट एक्स कंपनी द्वारा स्थापित संतरे के डिजिटल नीलामी केंद्र के उद्घाटन समारोह में बतौर उद्घाटक बोल रहे थे.

प्रमुख अतिथि के रूप में महा ऑरेंज के अध्यक्ष श्रीधर ठाकरे, कृषि मंडी सभापति नरेंद्र उर्फ बबलू पावडे, उपसभापति बाबाराव मांगुलकर, बिजनेस हेड राजू श्रीनिवास, अचलपुर कृषि मंडी के सभापति राजेंद्र गोरले, वरूड़ कृषि मंडी के पूर्व उपसभापति नीलकंठ आंडे, संचालक राजीव गांधी, झाबूभाई, बाबाराव लोखंडे, प्रवीण मानकर, मुकेश देशमुख, प्रणय सोंडे, अंकुश पाटिल, नरेंद्र पांडव, अर्चना मुरूमकर, रोशनी मानकर, सुधाकर दौड़, नितिन पाटिल, राजेश निंभोरकर, फ्रूट एक्स कंपनी के दिनेश मानकर, खरीदी-बिक्री संघ के उध्दव वानखडे आदि उपस्थित थे. महाऑरेंज के अध्यक्ष उध्दव ठाकरे ने कहा कि, संतरे के उत्पादन व दर्जा के बारे में हम पिछड़े हैं. डिजिटल नीलामी से किसानों को अच्छा भाव मिलेगा. पूर्व पंस सभापति विक्रम ठाकरे ने कहा कि, किसानों के हित में यह नीलामी केंद्र शुरू किया गया है. किसान उसका लाभ उठाएं. इस केंद्र से सैकड़ों मजदूरों को काम उपलब्ध होगा. नरेंद्र पावडे ने कहा कि फ्रूट एक्स मंडी व कृषि मंडी के बीच किसानों के हित में पारदर्शी करार किया गया है. संतरे बेचते ही 24 घंटे के भीतर किसानों को रकम मिलेगी. दिनेश मानकर ने नीलामी पध्दति के बारे में बताया.

शुभारंभ के समय 141 ग्रेड के संतरे को 43 रुपए प्रति किलो दाम मिलने पर किसानों ने खुशी व्यक्त की. उद्घाटन के दिन अचलपुर, परतवाड़ा, चांदूर बाजार, वरूड़, मोर्शी के किसानों ने संतरा बेचने तथा व विदर्भ के अनेक व्यापारी संतरे खरीदने के लिए वहां आए थे. किसानों से इस डिजिटिल नीलामी केंद्र में अपने संतरे लाने का आवाहन किया गया. किसानों को कुछ समस्या होने पर वह सभापति पावडे या संचालक मंडल से संपर्क कर सकते हैं, ऐसा बताया गया. गणमान्य अतिथियों के हाथों केंद्र में संतरा प्रथम बिक्री के लिए लानेवाले किसानों का शाल, श्रीफल देकर सत्कार किया गया.

सर्वोदय कॉलोनी में बैल सजावट स्पर्धा

धामणगांव रेलवे, 17 सितंबर- स्थानीय सर्वोदय कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में ज्ञानेश्वर साबले की अध्यक्षता में तथा अशोक बोबडे, पद्माकर चौधरी, रवि बिरे, सविता मेंडुले, सविता अप्तुरकर, सविता इंगले, ममता धूत की उपस्थिति में तान्हा पोला आयोजित किया गया था. कुल 30 छात्रों ने मिट्टी के बैल सजाकर लाये थे. युवराज वानखड़े को प्रथम, कृष्णाई शिरस्कार को दूसरा तथा सर्वज्ञ शिरस्कार को तीसरा क्रमांक प्राप्त हुआ. लकड़ी बैल स्पर्धा, बैल सजावट स्पर्धा में भी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

ब्राह्मणवाड़ा थड़ी-शिरजगांव यातायात बंद

भारी बरसात व पूर्णा नदी की बाढ़ के कारण दूसरी बार पूल टूटा

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
ब्राह्मणवाड़ा थड़ी, 17 सितंबर- पिछले कुछ दिनों से पुल का निर्माण काम शुरू है. चिंचोली व मार्कंडा शिरजगांव यातायात के लिए एक कच्चे पुल का निर्माण किया गया था, जिससे यातायात बाधित ना हो. स्कूल जाने वाले विद्यार्थी और खेत में जाने वाले किसानों के यातायात के लिए इस पुल का निर्माण किया गया था. लेकिन लगातार दूसरी बार ये पुल पूर्णा नदी की बाढ़ के कारण टूट गया.

चिंचोली व शिरजगांव से पूरी तरह से संपर्क टूट गया है. विद्यार्थियों व किसानों को स्कूल आने-जाने में बड़ी सर्कस करनी पड़ रही है. कोई नदी में से आ रहा है तो कोई देऊरवाड़ा मार्ग से आ रहा है. लेकिन लोगों की समझ से यह चीज परे है

कि आखिर निर्माण कार्य में क्यों बाधा आ रही है. पुल का निर्माण कार्य अब तक क्यों नहीं हुआ.कुछ लोगों का कहना है कि इसमें कुछ राजकारण चल रहा है. विधायक बच्चू कडू के बोलने के बाद भी पुल का निर्माण काम पूरा अभी तक क्यों नहीं हुआ. कब तक हमें इस कच्चे पुल से जाना होगा. आखिर परदे के पीछे क्या चल रहा है. कुछ लोगों की मनमानी की वजह से हम गांव वासियों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

गांव वासियों की प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द कोई मार्ग निकले, ताकि यातायात सुचारू रूप से चालू रहे. लोगों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े. ब्राह्मणवाड़ा वासियों की गुहार को सुनें व जल्द से जल्द पुल का निर्माण कार्य किया जाए.

गांव-गांव में वृषभ देव का पूजन कर मनाया पोला

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चांदूर रेलवे, 17 सितंबर- किसानों के साथ धूप व बारिश की परवाह किए बिना मेहनत करने वाले बैल के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का त्यौहार है पोला. श्रावण अमावस्या गुरूवार के दिन पोले का त्यौहार विदर्भ में पारंपरिक तरीके से उत्साह के साथ मनाया गया. स्थानीय खड़कपुरा में पोले के दूसरे दिन भरी बारिश में तान्हा पोला मनाया गया. अनय पुडके को 2100 रुपए का पहला पुरस्कार, यश सदाफले को 1100 रुपए का दूसरा, तनिष्क खाकोले को 500 रुपए का तीसरा तथा सांची कोहरे को चौथा पुरस्कार प्रदान किया

गया. इसके अलावा 50 से ज्यादा सांत्वना पुरस्कार दिए गए. कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में चांदूर थाने के पीएसआय सुयोग महापुरे, पूर्व नगराध्यक्ष प्रभाकर वाघ, बबन भैसे, बंडू भैसे उपस्थित थे. दिनेश ढेंगे की बैलजोड़ी को 2100 रुपए का पहला, सुरेश लांजेवार की बैलजोड़ी को 1100 रुपए का दूसरा, विजय गोखे की बैल जोड़ी को 701 रुपए का तीसरा, निखिल होले की बैल जोड़ी को 601 रु. का चौथा, अरविंद वणवे की बैल जोड़ी को 551 रु. का पांचवां तथा प्रशांत दिडपाये की बैलजोड़ी को 501 रु. का छठवां पुरस्कार दिया गया. स्थानीय खड़कपुरा स्थित पोला उत्सव समिति ने पोले के कार्यक्रम में लाइट का प्रबंध करने की मांग नप प्रशासन से की थी. लेकिन उसकी दखल न लिए जाने से अंधेरे में ही पोला मनाना पड़ा.

सावंगा बु. में तान्हा पोला

समीपस्थ सावंगा बु. में स्कूल प्रबंधन समिति व ग्रामवासियों ने तान्हा पोला मनाया. कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव अंबापुरे ने की. सहायक थानेदार मनोज सुरवाडे तथा देश की रक्षा करने वाले जवान मंगेश कालमेघ का सत्कार किया गया. प्रमुख अतिथि के तौर पर एड. महेश बंग, पवन राठी, मुख्याध्यापक निचत व शिक्षक उपस्थित थे. व्यसनमुक्त नागरिकों का सत्कार तथा उत्कृष्ट बैल सजावट के लिए पुरस्कार वितरित किए गए.

मांजरखेड़ में शालेय सामग्री वितरित

तहसील के मांजरखेड़ (दानापुर) के विट्ठल रूक्मिणी मंदिर में तान्हा पोला आयोजित किया था. पूर्व सरपंच रामदास गावंडे के हाथों बैल पूजन किया गया. सभी छात्रों को शालेय सामग्री व चॉकलेट वितरित किए गए. छात्रों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट बैलजोड़ी को पुरस्कार दिया गया. इस अवसर पर विजय गायकवाड़, मुरलीधर

मुंधड़ा, मनोहर बेठे, उमेश गुड़धे आदि उपस्थित थे.

उत्कृष्ट बैलजोड़ी को पुरस्कार

तथा सालोरा में वैभव लगडे की बैलजोड़ी को पहला तथा मनोहर घाटोल की बैलजोड़ी को दूसरा पुरस्कार मिला. हीराबाई गुल्हाने ट्रस्ट के अध्यक्ष विवेक गुल्हाने ने सभी विजेता बैलजोड़ियों का पूजन कर शाल, श्रीफल व नगद राशि देकर किसानों का सत्कार किया.

नांदगांव पेठ- बैलों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाला पोला त्यौहार माहुली जहांगिर, सालोरा, केकतपुर में मनाया गया. इस वर्ष माहुली जहांगिर की स्पर्धा में गौरव टाकरखेडे की बैल जोड़ी को पहला तथा सागर नाकाडे को दूसरा, केकतपुर में जयप्रकाश भाले को पहला तथा मिलिंद पवार को दूसरा

करजगांव की जिप शाला में संस्कृति का दर्शन

तिवसा- करजगांव की जिप प्राथमिक शाला में तान्हा पोला के अवसर पर वेशभूषा व बैल सजावट स्पर्धा ली गई. छात्रों ने खुद के हाथों से मिट्टी के बैल बनाकर उनको सजाकर लाया था. छात्रों ने शिक्षक, डॉक्टर, नेता, महापुरूषों की वेशभूषा की थी. सहभागी सभी छात्रों को शालेय सामग्री वितरित की गई. कार्यक्रम में मुख्याध्यापक प्रफुल्ल बनसोड, सरपंच आशीष बांबल, प्रमोद कोल्हे व प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे.

श्रीक्षेत्र पाला में मनाया त्यौहार

मोर्शी- समीपस्थ श्री क्षेत्र पाला में पारंपरिक तरीके से वृषभ देव का पूजन कर पोले का त्यौहार मनाया गया. उत्कृष्ट बैलों को सेतुबंध रामेश्वर धर्मशाला व शिव मंदिर की ओर से शाल, श्रीफल से सम्मानित किया गया. कुल 65 किसानों ने अपनी बैलजोड़ियां सजाकर लायी थीं. कार्यक्रम में सरपंच अजय राऊत, मोरेश्वर गुड़धे, नरेंद्र जिचकार, विनोद गायकवाड़ व प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे.

विद्यानिकेतन में बैल सजाओ स्पर्धा

कुन्हा- व्हीएसपीएम अॅकेडमी ऑफ हायर एज्युकेशन नागपुर द्वारा संचालित स्थानीय विद्यानिकेत व विद्यानिकेतन में तान्हा पोला मनाया गया. छात्रों ने खुद मिट्टी के बैल बनाकर उन्हें सजाकर लाया था. गौरी सहारकर को पहला पुरस्कार दिया गया. मुख्याध्यापिका नलिनी कन्नाके के मार्गदर्शन में सुनील भक्ते, विनोद शिंगाणे, सुनीता सुने, संजीवनी परतेकी व सभी शिक्षकों ने सफल आयोजन के लिए प्रयास किए.

जिजाऊ इंग्लिश स्कूल

मोर्शी- स्थानीय जवाहर कॉलोनी स्थित जिजाऊ कॉलोनी में शुक्रवार को तान्हा पोला व आनंद बाजार का आयोजन किया था. नर्सरी से चौथी कक्षा तक की छात्रों ने किसानों की वेषभूषा कर बैलों का पूजन किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता राहुल चौधरी ने की. उत्कृष्ट बैलजोड़ी के पुरस्कार श्लोक देशमुख, कृष्णाली वानखडे, पूरब ठाकरे, अनुष्का देशमुख ने प्राप्त किये. मुख्याध्यापक शिशिर कावरे, राहुल चौधरी, वनश्री साद व अन्य शिक्षकों ने छात्रों को मार्गदर्शन किया.

एकवीरा ब्रिलियंट स्कूल में विविध स्पर्धाएं

मोर्शी- स्थानीय अप्पर वर्धा कॉलोनी स्थित एकवीरा स्कूल ऑफ ब्रिलियंटस के प्रांगण में छात्र व पालकों के लिए बुल मेकिंग स्पर्धा, बुल रेसिंग स्पर्धा व बुल डेकोरेशन स्पर्धा ली गई. अदविका देशमुख ने पहला, आस्था शेगोकार ने दूसरा व स्वनिका पिढेकर ने तीसरा पुरस्कार पाया. स्कूल के प्राचार्य मंगेश वानखडे, मंगेश वालके, वैभव कोंडे व शिक्षकों ने मार्गदर्शन किया.

येवदा में मनाया पोले का त्योहार

दर्यापुर- तहसील के ग्राम येवदा के किसानों ने अपनी बैलजोड़ियां सजाकर लायी थीं. ओंकारसिंग रघुवंशी व उनके वारिस तारासिंग रघुवंशी वर्षों से चली आयी परंपरा निभा रहे हैं. राम नगर में आयोजित इस पोला उत्सव में सभी किसान अपनी बैलजोड़ियां सजाकर तोरण के नीचे खड़ी करते हैं. पहला सम्मान जगदीश लायडे व रामेश्वर जुमड़े की बैलजोड़ी का रहता है.

हिरपुर में सवाल-जवाब व बैल सजावट स्पर्धा

धामणगांव रेलवे- तहसील के हिरपुर में बाल पोला कार्यक्रम अंतर्गत बैल सजावट स्पर्धा ली गई. गत 53 वर्षों से बाल पोला समिति द्वारा यह उपक्रम चलाया जा रहा है. सहभागी स्पर्धकों को बैलों के बारे में सवाल पूछकर उसके जवाब देने के बाद ही पुरस्कार दिए गए. प्रथम विजेता को पुरस्कार के तौर पर ढाल प्रदान की गई.

तलेगांव दशासर के थानेदार रामेश्वर धोडगे की अध्यक्षता तथा पूर्व जिप सदस्य अनिल राठी, रविश बिरे, विनोद बिरे, प्रवीण कावडे, जिप स्कूल के मुख्याध्यापक सुनील भावेकर, समिति के अध्यक्ष पवन सावंत की प्रमुख उपस्थिति में पुरस्कार वितरित किए गए.